लखनऊ
सोमवार, 22 अगस्त 2022
वर्षः-6 अंकः-56
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपय
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून.....

करण वाणी

हर घर कान्हा

किसी ने नटवरनागर तो किसी ने राधा के रूप में किया श्रृंगार

मानस सिंह

क्या भाव है जो कृष्ण ने नहीं जगाया? क्या कला है जो उन्होंने प्रस्तुत नहीं की? सम्पूर्णता के आवरण में सुशोभित हो जनमानस के लिए उदाहरण हैं, सर्व-सम्पन्न हैं फिर भी अधूरे हैं, कृष्ण ने सब कुछ आत्मसात किया, पूर्णता उनमें विराजमान थी, प्रेम का संदेश दिया तो वैराग्य का पाठ भी पढ़ाया, जन्माष्टमी का पर्व प्यारे कान्हा के जन्मदिन मनाने का सुअवसर है।

पीताम्बर धारी, मोर मुकुट पहने, हाथ में बांसुरी और गले में मोतियों का हार डाले कान्हा का यह रूप हर घर में नजर आया। अलग-अलग मुद्राओं में कान्हा की तस्वीरें मन मोह लेती हैं।

कहीं माखनचोर के रूप में सजाया गया था, तो कहीं बांसुरी बजाते किशन-कन्हैया के रूप में साज श्रृंगार किया गया था, जिन घरों में एक से अधिक बच्चे थे, वहां राधा और कृष्ण की जोड़ी तैयार की गई।

सार्थक

तेजस

उदित

ओम

रुद्र

ओजस्वी

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

करण, वाणी न्यूज

बछरावा रायबरेली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत आज शिवगढ़ रोड स्थित ओवर ब्रिज के नीचे राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने चुने गए व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वहीं इसके शपथ ग्रहण समारोह का कुशल संचालन बछरावा के प्रतिष्ठित व्यापारी समाजसेवी व संरक्षक व्यापार मंडल सौरमंडल शुक्ला द्वारा किया गया।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में अवगत कराया कि मैं व्यापार मंडल का आभारी हूं कि हमें इस आयोजन ने बुलाया गया मैं व्यापारियों के हितों की रक्षा सामाजिक और प्रशासनिक समस्याओं का निदान करने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। इस कार्यक्रम में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के अलावा नगर के सम्मानित व्यापारियों के साथ ही साथ जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस शपथ ग्रहण समारोह के विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उपाध्यक्ष व जिला अध्यक्ष बसंत सिंह बग्गा की गरिमामय उपस्थिति रही। इस शपथ ग्रहण समारोह में बछरावां व्यापार मंडल की नवगठित अध्यक्ष सुनील सागर, महामंत्री अंकित शुक्ला, संतोष कुमार वर्मा, विनीत गुप्ता और अन्य पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण संपन्न हुआ।

समारोह के दौरान व्यापार मंडल संरक्षक उपस्थित रहे। इस शपथ ग्रहण समारोह में बछरावा नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ राम जी कुंवर बीर भान सिंह, बृजेश कुमार वर्मा सदाशिव चौधरी, बराती लाल चौधरी, दुर्गेश शुक्ला, भूमंडल शुक्ला सहित सैकड़ों व्यापारी और पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

दबंगों ने गिराई होमगार्ड जवान की दीवाल

थाना अध्यक्ष जामो ने रिपोर्ट लिखने के बजाय होमगार्ड को थाने से भगाया

करण, वाणी न्यूज

अमेठी। थाना जामो अंतर्गत धमार्पुर निवासी ओम प्रकाश शुक्ला ने थाना अध्यक्ष जामो शिवाकांत पांडे के ऊपर आरोप लगाते हुए बताया कि थाना अध्यक्ष शिवाकांत पांडे ने उनकी रिपोर्ट ना दर्ज करके उन्हें थाने से फटकार कर भगाया और कहा कि राजनीतिक दबाव है तुम्हारी रिपोर्ट नहीं लिखी जाएगी।

होमगार्ड जवान ने बताया कि अपने आंगन की जमीन पर दीवाल बना रहा था खंभे बन चुके थे दीवाल लगभग 3 हाथ उठाई जा चुकी थी तभी गांव के ही पड़ोसी रविंद्र कुमार पुत्र भवानी प्रसाद, उमेश कुमार पुत्र भवानी प्रसाद, आयुष कुमार पुत्र उमेश कुमार, सुरेंद्र कुमार पुत्र शिव प्रसाद, शिव प्रसाद पुत्र रामसुख, हर्षित कुमार पुत्र सुरेंद्र सहित अन्य लोगों ने लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पर धावा बोल दिया और दीवार गिरा दी। पत्नी और बच्चों को पीटा गंदी गंदी गालियां दी उसके बाद जब प्रार्थी संतोष कुमारी पत्नी ओमप्रकाश जामो थाने पहुंची तो महिला प्रार्थिनी और उसके पति को थाना अध्यक्ष जामो शिवाकांत पांडे ने कड़ी फटकार लगा कर भगा दिया कहा राजनीतिक दबाव है रिपोर्ट नहीं लिखेंगे भाग जाओ जमीनी मामला है। आखिर इस तरह के मामले पर जब त्वरित पुलिस कार्रवाई नहीं करती तभी बड़ी घटनाओं का जन्म होता है जिसकी बांगी साफ-साफ कोतवाली मोहनगंज के गुलाबगंज में में दिखाई दी। उसके बाद भी जामो पुलिस नहीं चेत रही है नहीं कर रही दबंगों पर कोई कार्रवाई। जबकि प्रार्थिनी संतोष कुमारी के पति ओमप्रकाश स्वयं होमगार्ड के जवान है जब होमगार्ड के जवान की सुनवाई नहीं हो रही तो आम जनता की कैसे होगी सुनवाई मामला 6 अगस्त का आज तक 13 दिन बाद भी दर-दर भटक रहा होमगार्ड जवान नहीं मिल पा रहा न्याय।

आठ जुआरी गिरफ्तार

करण, वाणी न्यूज

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तलाश वांछित/वारण्टी व देखभाल क्षेत्र के दौरान दिनांक प्र0नि0 अरूण कुमार द्विवेदी थाना जगदीशपुर मय हमराही द्वारा मुखबिर की सूचना पर रामलीला मैदान कस्बा जगदीशपुर से जुआ खेलते हुए 08 व्यक्तियों को 52 ताश के पत्तों, तलाशी व फड़ से 75,500/ रुपए नगद के साथ गिरफ्तार किया गया एक अभियुक्त मौके का फायदा उठाकर भाग गया थाना जगदीशपुर द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हौशिला यादव हत्याकांड के 6 आरोपी गिरफ्तार

करण, वाणी न्यूज

अमेठी। कोतवाली मोहनगंज अंतर्गत गुलाबगंज में हौसला यादव हत्याकांड के मुख्य 6 आरोपियों को तिलोई क्षेत्राधिकारी अजय सिंह व कोतवाली प्रभारी ज्ञानचंद शुक्ला ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई गिरफ्तार अभियुक्तों में सुरेश पुत्र श्री नाथ, राकेश पुत्र श्री नाथ, राजा राम पुत्र राम नेवाज, सूरज यादव पुत्र राजाराम, सुनील यादव पुत्र सिद्धनाथ, सिद्धनाथ यादव पुत्र राम सुचित निवासी गुलाबगंज मजरे राजापुर जिसमें से चार आरोपियों को बीते शुक्रवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया था और दो आरोपियों को शनिवार को गंदा नाला राजा फतेहपुर के पास से गिरफ्तार किया गया इन सभी के पास से आला कत्ल एक फरसा वह लाठियां बरामद हुई और मोहनगंज पुलिस ने एक सनसनीखेज वह बड़े हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

वही इस सनसनीखेज हत्याकांड में डीआईजी अयोध्या रेंज अमरेंद्र कुमार वा कप्तान अमेठी इलामारन ने एक्शन लेते हुए भ्रष्ट व लापरवाह कोतवाली प्रभारी बृजेश सिंह को लाइन हाजिर व अन्य दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया इस सनसनीखेज हत्याकांड प्रकरण में कहीं ना कहीं मोहनगंज कोतवाली प्रभारी बृजेश सिंह की संलिप्तता व भ्रष्ट रवैया उच्च अधिकारियों के सामने उजागर हुआ जिसके फल स्वरुप उनको लाइन हाजिर किया गया और ज्ञानचंद शुक्ला को नए कोतवाली प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया।

चार अभियुक्तों को किया जिला बदर

छः माह की अवधि के लिए जनपद की सीमा से निष्कासित

अमेठी (करण वाणी, न्यूज)। जिला मजिस्ट्रेट राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि जनपद के विभिन्न थानाध्यक्षों के माध्यम से पुलिस अधीक्षक अमेठी की संस्तुति सहित प्राप्त गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के वादों में अभियुक्त राहुल यादव पुत्र रमाशंकर यादव निवासी ग्राम अलीनगर थाना जगदीशपुर, मंदीप सिंह पुत्र शिवकरन सिंह निवासी ग्राम सैम्बसी थाना फुरसतगंज, नौशाद पुत्र मुस्तकीम निवासी ग्राम बहादुरपुर थाना रामगंज तथा राम नारायण तेली पुत्र रामेश्वर निवासी ग्राम पूरे भूपसिंह छीछा थाना मोहनगंज जनपद अमेठी को आदेश तिथि 10 अगस्त 2022 से छः माह की अवधि हेतु जनपद की सीमा से निष्कासित (जिला बदर) किया गया है। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय गुण्डा तत्व एवं आपराधिक कार्य में संलिप्त लोगों से सख्ती से निपटने के निर्देश निर्गत किये गये है तथा जनपद के किसी भी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कोई भी असामाजिक तत्वों को द्वारा यदि लोकशांति व लोक सुरक्षा को भंग करने का प्रयास किया जायेगा तो उसके विरुद्ध तत्काल निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु पुलिस को कड़े निर्देश निर्गत किये गये है।

यातायात कर्मी जनता के साथ करें विनम्र व्यवहारः इंद्रपाल सिंह

यातायात क्षेत्राधिकारी इंद्रपाल सिंह ने यातायात अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ मीटिंग कर उच्च कोटि की यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु दिए गए दिशा निर्देश

करण, वाणी न्यूज

रायबरेली। क्षेत्राधिकारी इंद्रपाल सिंह ने अधिकारियों /कर्मचारियों के साथ मीटिंग कर उच्च कोटि की यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु दिए दिशा निर्देश, 18 अगस्त 2022 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात इंद्रपाल सिंह द्वारा यातायात शाखा में नियुक्ति समस्त अधिकारियों कर्मचारियों के साथ मीटिंग कर निर्देशित किया गया। यातायात कर्मियों द्वारा जनता के साथ विनम्र व्यवहार किया जाए उन्होंने कहा हम सभी लोक सेवक हैं। और हमारा कर्तव्य है कि हम जनता को जागरूक करें व यातायात नियमों का पालन करने हेतु उन्हें प्रेरित करें जनपद में अवैध टैक्सी व बस स्टैंड कहीं भी प्रचलित नहीं होना चाहिए अतः उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही तथा चालान किया जाएगा वाहनों से अवैध वसूली की शिकायत यदि मिलती है तो ऐसे कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी इस अवसर पर प्रभारी यातायात श्री आशुतोष त्रिपाठी समस्त टीएसआई व समस्त एचसीपी आरक्षी टीपी समस्त होमगार्ड एवं पीआरडी जवान मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने लगाई फांसी, मौत

करण वाणी, न्यूज

अमेठी। कोतवाली जायस अंतर्गत ग्राम कासिमपुर में गुरुवार की सुबह लगभग 11:बजे एक 18 वर्षीय लड़की ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। गाँव के राम प्रकाश की 18 वर्षीय बेटी कोमल ने घर मे सन्दिग्ध परिस्थितियों में फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त घर पर कोई भी सदस्य मौजूद नही था। सूचना मिलने पर सीओ तिलोई डॉ अजय सिंह, कोतवाली प्रभारी जायस राकेश सिंह मौके पर पहुँचकर जांच पड़ताल करते हुए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया इस मामले में कोतवाली प्रभारी राकेश सिंह से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्यवाही की जाएगी।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित तीन गिरफ्तार

करण वाणी, न्यूज

अमेठी। में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक उमाकान्त शुक्ला थाना अमेठी मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर 03 मोटरसाइकिलों पर सवार 03 अभियुक्तों को गौरीगंज रोड रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया मोटरसाइकिल के कागजात मांगने पर नही दिखा सके तथा पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि तीनों मोटरसाइकिलें चोरी की है।

अभियुक्त लवकुश यादव के कब्जे से बरामद हीरो एचएफ डिलक्स यूपी 36 के 3005 के बीआरओ रोड़ के पास से चोरी करना बताया, अभियुक्त नीरज यादव के कब्जे से बरामद मोटरसाइकिल हीरो डिलक्स बिना नम्बर को दुर्गापुर रोड कस्बा अमेठी से चोरी करना बताया तथा अभियुक्त राहुल कुमार वर्मा के कब्जे से बरामद मोटरसाइकिल होण्डा साइन बिना नम्बर के बारे में पूछनें पर बताया कि यह मोटरसाइकिल तीनों ने मिलकर सीतापुर जनपद से चोरी किये थे गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर रेलवे क्रासिंग के पास झाडियों से चोरी की दो अन्य मोटरसाइकिल 1.बजाज प्लेटिना एचपी 51 ए 6298 2.यामाहा क्रक्स संख्या यूपी 35 एफ 9542 बरामद हुई।

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि हम तीनों मिलकर मोटरसाइकिले चोरी करते है व बाद में बेंच देते है थाना अमेठी पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

करण वाणी, न्यूज

रायबरेली, परशदेपुर डीह । अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कृत कार्रवाई के अंतर्गत 17 अगस्त 2022 को पुलिस चौकी परशदेपुर पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति चेकिंग के क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सलमान पुत्र बशीर निवासी कस्बा व थाना जायस जनपद अमेठी को 11:00 सौ ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है जिसके विरुद्ध थाना डीह पर मुकदमा अपराध संख्या 315 2022 धारा 820 एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम उप निरीक्षक आशीष तिवारी परशदेपुर चौकी इंचार्ज, आरक्षी करण चौरसिया, आरक्षी सुखराम व आरक्षी रघुनाथ।

बैंक के सामने से चोरों ने उड़ाई बाइक

करण, वाणी न्यूज

अमेठी। कोतवाली मोहनगंज अंतर्गत स्टेट बैंक तिलोई के सामने से गुरुवार को लगभग 12:00 बजे विनोद सिंह पुत्र केशव सिंह निवासी राजा मऊ अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक यूपी 36 एफ 4257 ब्लैक कलर से कुछ कार्य व स्टेट बैंक आए हुए थे लेकिन जब बैंक से बाहर निकलते है तो देखते हैं कि उनकी बाइक वहां से गायब है जबकि बाइक लॉक करके खड़ी की गई थी।

उसके बाद भी बाइक चोरी हो गई यह कोई पहला मामला नहीं है अभी पिछले महीने नारायणगंज तिराहा तिलोई से एक युवक की स्प्लेंडर बाइक चोरों ने उड़ाई थी जिसका आज तक कुछ पता नहीं चल सका और यह 1 महीने के अंदर ही दूसरी घटना को चोरों ने अंजाम दिया है हालांकि पीड़ित विनोद सिंह ने मामले की जानकारी लिखित तहरीर देते हुए कोतवाली मोहनगंज को सौंपी है अब देखना यह है कि ये बाइक चोर कब पुलिस के हाथ आते हैं और इन पर कार्यवाही होती है।

शादी के बाद अंकिता नहीं करना चाहतीं बोल्ड सीन

लखनऊ (करण वाणी न्यूज)। अंकिता लोखंडे टीवी इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस है, अंकिता घर-घर में अपना अलग नाम बना चुकी है. दिसंबर 2012 में अंकिता लोखंडे ने अपने बॉयफ्रेंड विक्की जैन से शादी की थी, अब अंकिता ने बताया है कि शादी के बाद उनके लिए कुछ भी नहीं बदला है. विक्की और वह आज भी दोस्तों की तरह बॉन्डिंग रखते हैं।

बोल्ड सीन्स क्यों नहीं करना चाहतीं अंकिता?

अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में अंकिता लोखंडे ने कहा कि उन्होंने खुद को बोल्ड सीन्स करने से रोक लिया है. ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि उनके पति विक्की जैन ऐसा नहीं चाहते, बल्कि वे खुद ऐसे प्रोजेक्ट्स करने में सहज नहीं हैं. अंकिता ने यह भी कहा कि अगर उनके हाथ कोई ऐसा प्रोजेक्ट आता है जिसमें उन्हें बोल्ड सीन्स करने होंगे, तो विक्की इस चीज को खुले दिमाग से देखेंगे.

अंकिता कहती हैं, "अगर आप मेरे करियर को करीब से देखेंगे तो मैंने कभी कोई ऐसा रोल नहीं किया है जिसमें स्किन शो या कुछ और करना होता है. यही मेरी चॉइस हमेशा से ऐसी रही है. मुझे लगता है मैं ऐसे सीन्स नहीं कर सकती. लेकिन हां, शादी के बाद मैं ही नहीं बल्कि विक्की भी कुछ चीजें नहीं कर सकते हैं. मैं हमेशा इसे ऐसे देखती हूं कि अगर वह मेरे लिए कुछ कर रहे हैं, तो मेरा भी फर्ज बनता है कि मैं उनके इमोशंस का ध्यान रखूं और उनकी इज्जत करूं. मुझे नहीं लगता हमारे बीच बोल्ड प्रोजेक्ट्स को लेकर कोई भी दिक्कत होगी. लेकिन मैं खुद ही ऐसी इंसान रही हूं जिसे ऐसे रोल्स करना पसंद नहीं है. और ऐसा नहीं है कि उन्हें इससे कोई दिक्कत है।

विक्की जैन को नहीं है कोई दिक्कत

इस बारे में अंकिता लोखंडे ने आगे कहा कि उनके पति विक्की जैन काफी कूल हैं. वह कभी भी अंकिता को ऐसे रोल्स लेने से नहीं रोकेंगे. उन्होंने कहा, "मैं साफ करना चाहती हूं कि अगर कोई ऑफर या कुछ बोल्ड मुझे मिलता है तो वह खुले दिमाग से इसे देखेंगे. मैं अपनी तरफ से कह रही हूं कि मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती या उनका दिल दुखाना चाहती हूं. ठीक है यार नहीं किया तो नहीं किया ये एक सीन. मुझे वो फीलिंग समझ आती है. मैं पूरी तरह समझती हूं. उन्होंने मुझे कभी नहीं रोका है और उन्हें लगता है कि अगर ऐसा कुछ आपको मिलता है तो आपको उसे जरूर करना चाहिए. लेकिन मैं अंदर से इसे करने में सहज नहीं हूं।

टाइपकास्ट होने से नहीं डरतीं अंकिता

अंकिता लोखंडे ने अपने सीरीज पवित्र रिश्ता में 7 सालों तक अर्चना का रोल निभाया था, उन्होंने इस बारे में कहा कि उन्हें टाइपकास्ट होने का कोई डर नहीं है. उन्होंने कहा, "मुझे कभी टाइपकास्ट होने का डर था ही नहीं, मैंने पवित्र रिश्ता में एक बूढ़ी औरत, एक नानी का रोल निभाया है. मैं विग पहनती थी और ऑनस्क्रीन सफेद बालों में नजर आती थी, मैंने वो भी बढ़िया तरीके से किया है, मुझे लगता है कि एक एक्टर होने के नाते आपको हर चीज करने के लिए ओपन होना चाहिए और डरना नहीं चाहिए।

पलक तिवारी की हरकत से नाराज हैं इब्राहिम अली खान

नई दिल्ली (करण वाणी न्यूज)। पलक तिवारी पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर अपने गॉर्जियस लुक से इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। कुछ दिनों पहले उन्हें सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ शहर में स्पॉट किया गया था, जिससे लगभग तुरंत ही डेटिंग की अफवाहें उड़ गईं। हालांकि, ताजा रिपोर्ट बताती है कि ऐसे एक दूसरे के साथ स्पॉट होने के बाद दोनों ने एक दूसरे से कनेक्शन नहीं रखा। इसके पीछे की वजह पलक का मीडिया को देखकर इस तरह से मुंह छुपाना हो सकता है।

रअसल, पिछले दिनों इब्राहिम और पलक के कुछ फोटोज- वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिस में वो साथ नजर आ रहे थे। जब पैपराजी ने इन्हें कैमरे में कैप्चर करना चाहा तो पलक ने तुरंत ही अपना चेहरा छुपा लिया, और यही बात इब्राहिम का अच्छी नहीं लगी। बॉलीवुड लाइफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक जब पलक ने पैपराजी द्वारा स्पॉट किए जाने पर चेहरा छिपाया तो इब्राहिम को ये पसंद नहीं आया। इससे उन्हें शर्मिंदगी हुई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'जिस तरह से पलक तिवारी अपना चेहरा छुपा रही थी, वो इब्राहिम अली खान को पसंद नहीं आया, बल्कि इससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ी। पब्लिक प्लेस पर यह उनकी पहली मुलाकात थी और पलक ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी वह बहुत बचकानी थी। हालांकि, वीडियो वायरल होते ही पलक को खुद को देखकर थोड़ी शर्मिंदा हुई। और उनकी वायरल स्पॉटिंग के बाद पलक और इब्राहिम ने एक दूसरे से संपर्क नहीं किया है। हालांकि ये भी कहा जा रहा है कि दोनों अच्छे दोस्त हैं और उनके रिश्ते को खत्म करने की बात गलत है। पर अभी के लिए दोनों ने दूरी बना ली है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो पलक तिवारी की डेब्यू फिल्म 'रोजी- द सैफ्रॉन चैप्टर है। फिल्म को विशाल मिश्रा ने निर्देशित किया है, जबकि विवेक ओबेरॉय, प्रेरणा वी अरोड़ा के साथ मिल कर प्रोड्यूस कर रहे हैं। ये एक हॉरर सस्पेंस जॉनर की फिल्म है जिसमें अरबाज खान भी नजर आएंगे। तो वहीं इब्राहिम करण जौहर को उनके नए प्रोजेक्ट में असिस्ट कर रहे हैं।

दीपिका मेरी रोल मॉडल रही हैं: अनन्या

लखनऊ (करण वाणी न्यूज)। अनन्या पांडे की अगली फिल्म शकुन बत्रा निर्देशित 'गहराइयां' है। फिल्म में उनके अलावा दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी भी नजर आएंगे। इस फिल्म और करियर को लेकर अनन्या ने बात की।

इस फिल्म में आपकी कास्टिंग कैसे हुई?

शकुन मेरे लिए ड्रीम डायरेक्टर थे। मैं हमेशा से ही उनके साथ काम करना चाहती थी। जब मुझे पता चला कि इस फिल्म की कास्टिंग हो रही है तो मैं बहुत एक्साइटेड थी कि वो "कपूर एंड संस" के बाद क्या बनाने वाले हैं। उनकी यह फिल्म मेरी फेवरेट फिल्मों में से एक है। अच्छी बात यह थी कि शकुन की जो को-राइटर हैं वो मेरी हेयर स्टाइलिस्ट भी हैं। तो उन्होंने ही मुझे इस कहानी के बारे में बताया पर साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस कहानी के लिए आप अभी थोड़े यंग हो। पर मैं उनके पीछे पड़ गई कि नहीं मुझे शकुन से मिलना है। इसके बाद मेरी और शकुन की मुलाकात हुई। मुझसे बात करके उन्हें लगा कि मैं टिया के किरदार से काफी मिलती जुलती हूं। तो फिर उन्होंने मुझे इस रोल के लिए कास्ट कर लिया।

जब आपको यह रोल मिला तो आपका पहला रिएक्शन क्या था?

मेरा पहला रिएक्शन यह था कि मैं जाकर बाथरूम में छुप गई। मैं बहुत शॉक्ड थी कि फाइनली मुझे शकुन के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। दरअसल मुझे इस फिल्म की स्क्रिप्ट भी बेहद पसंद आई थी और इसकी खास बात यह थी कि इसके सारे किरदार एकदम रियल हैं। न कोई पूरी तरह से बुरा है और न ही कोई पूरी तरह से अच्छा। इस फिल्म की कहानी कई रिश्तों को साथ लेकर चलती है। तो यह भी मुझे बहुत खास लगा और इसलिए मेरे लिए यह फिल्म करना बहुत जरूरी था।

दीपिका के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा?

बतौर एक्टर मैंने दीपिका को बहुत फॉलो किया है। उन्होंने अपने पूरे करियर में हर तरह के किरदार चुने हैं। वो हमेशा से ही मेरे लिए रोल मॉडल रही हैं पर यहां मुझे उन्हें और करीब से जानने का मौका मिला। उनसे मिलकर पता चला कि वो जितनी खूबसूरत बाहर से हैं उतनी ही अंदर से भी हैं। वो सेट पर पूरे वक्त दूसरों का ख्याल रखती थीं। अगर किसी का मूड ऑफ होता था तो उन्हें अपने आप पता चल जाता था। बतौर एक्टर मेरे लिए उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत फायदेमंद रहा। उनके साथ मेरे जितने भी सीन है उनमें मेरे एक्सप्रेशंस और इमोशंस दोनों ही एकदम रियल निकलकर आए हैं।

जब भी आपको लेकर नेपोटिज्म की बहस छिड़ती है तब आपका रिएक्शन और थॉट क्या होता है?

मुझे लगता है कि नेपोटिज्म एक बहुत बड़ा बहस का मुद्दा है और मेरे कुछ बोलने से इस पर बहस होना तो बंद होगी नहीं। ये हमेशा चलता ही रहेगा। बतौर इंसान मैं भी इस तरह की कई चीजों के बारे में सोचती हूं और उनके बारे में सवाल भी करती हूं क्योंकि यह जरूरी भी है। पर अंत में मैं बस यही सोचती हूं कि एक्टर बनना हमेशा से मेरा सपना था और मेरा मकसद सिर्फ अपने काम से पब्लिक का प्यार पाना है।

कभी पब्लिक या ट्रोलर्स पर गुस्सा आया या खुद को प्रूव करने का ख्याल आया?

कई तरह के इमोशन आए पर कभी गुस्सा नहीं आया। हमेशा से मुझे जो भी फीडबैक मिलता आया है मैंने सबको सुना है और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की है। सुनती सब हूं और जो ठीक लगता है उसे अप्लाई करती हूं।

पापा के साथ कब और किस तरह की फिल्म में काम करते हुए नजर आएंगी?

जल्द ही आपको इसका जवाब मिल जाएगा। बाकी अगर आप मुझसे पूछें तो आसान तौर पर तो मैं उनके साथ कॉमेडी फिल्म करना ही पसंद करूंगी क्योंकि पापा को कॉमेडी के लिए ही जाना जाता है।

पर मैं उनके साथ कुछ अलग भी करना चाहती हूं। मेरी इच्छा है पापा के साथ हॉरर फिल्म करने की।

फिल्म में आपने अपने किरदार की तैयारी कैसे की?

फिल्म के लिए हमारी तैयारी काफी लंबी चली क्योंकि पेंडेमिक की वजह से इसके लिए हमें एक साल का वक्त मिला। इस बीच हम जूम कॉल पर अपने किरदारों के बारे में डिस्कशन करते रहे। इसी बीच मेकर्स स्क्रिप्ट और हमारे किरदार डेवलप करते रहे। इसके बाद हमने दो महीने गोवा में इस फिल्म की शूटिंग की। वहां हम बायो बबल में रहे तो उस दौरान भी हमें एक दूसरे के साथ बहुत वक्त बिताने का मौका मिला। इस दौरान हमारी वर्कशॉप भी हुई तो कुल मिलाकर हमने इस तरह से अपने अपने किरदारों की तैयारी की।

सेट पर डायरेक्टर शकुन के साथ कैसी बॉन्डिंग रही?

शकुन हमारे डायरेक्टर थे पर हमें कई बार उन्हें सेट से बाहर करना पड़ता था क्योंकि जब भी कोई सीरियस सीन होता था तो वो हंसने लगते थे। एक दिन दीपिका और मेरा एक इंटेंस सीन होना था। तो हमने ब्रेकफास्ट करके उसकी शूटिंग शुरू कर दी। हम सीन में काफी डूबे हुए थे इसलिए हमने लंच स्किप कर दिया। एक समय पर उस सीन में हम दोनों को साइलेंट रहना था और भूखे होने की वजह से हमारे पेट से गुड-गुड की आवाजें आने लगीं और उस सीरियस सीन में सभी हंसने लगे। और शकुन तो हमेशा ही हंसते थे। जब भी हमारा कोई सीरियस सीन होता था तब वो हंसते ही थे।

वैसे तो यह सवाल मुश्किल है पर कुछ वक्त पहले साउथ की एक फिल्म देखी थी "ग्रेट इंडियन किचन"। मुझे वो बड़ी पसंद आई थी। पर मुझे लगता है कि अब वक्त आ गया है कि हम रीमेक को छोड़कर ओरिजनल पर काम करें। क्योंकि ऑडियंस को भी ओरिजनल और कुछ नया पसंद है तो मैं किसी रीमेक फिल्म का हिस्सा बनना पसंद नहीं करूंगी।

आपको कब ओटीटी पर देख सकते हैं?

मैं बिल्कुल तैयार हूं ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करने के लिए। बस किसी सही प्रोजेक्ट के आने का इंतजार कर रही हूं। जैसे ही वो मिलेगा मैं ओटीटी पर नजर आऊंगी।

ई-केवाईसी नहीं कराने वाले को नहीं मिलेगी सम्मान निधि की राशि

करण वाणी, न्यूज

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए सरकार ने ई-केवाईसी कराना जरूरी कर दिया है। ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों का योजना की मिलने वाली किस्त बंद हो जाएगी। जिले के 54,018 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। इसमें से अबतक 37,822 किसानों ने ही ई-केवाईसी कराया है। शेष 16,196 किसान ई-केवाईसी कराने से वंचित हैं। कृषि विभाग के बार-बार आग्रह करने के बाद भी किसान ई-केवाईसी कराने में रूचि नहीं ले रहे हैं। इसको लेकर कृषि विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दो हजार रुपये की दर से तीन किस्तों में किसानों के बैंक खाता में

प्रतिवर्ष छह हजार रुपये उपलब्ध कराया जाता है। अबतक किसानों को दस किस्तों की राशि मिल चुकी है। जल्द ही पीएम किसान की 11वीं किस्त आने वाली है। ऐसे में ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की राशि नहीं आएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में ई-केवाईसी कराने मे अधिक परेशानी नहीं है। किसान घर बैठे भी कर सकते हैं।संवाद सहयोगी, लखीसराय : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लिए सरकार ने ई-केवाईसी कराना जरूरी कर दिया है। ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों का योजना की मिलने वाली किस्त बंद हो जाएगी। जिले के 54,018 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है। इसमें से अबतक 37,822 किसानों ने ही ई-केवाईसी कराया है। शेष 16,196 किसान ई-केवाईसी कराने से वंचित हैं। कृषि विभाग के बार-बार आग्रह करने के बाद भी किसान ई-केवाईसी कराने में रूचि नहीं ले रहे हैं। इसको लेकर कृषि विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दो हजार रुपये की दर से तीन किस्तों में किसानों के बैंक खाता में प्रतिवर्ष छह हजार रुपये उपलब्ध कराया जाता है। अबतक किसानों को दस किस्तों की राशि मिल चुकी है। जल्द ही पीएम किसान की 11वीं किस्त आने वाली है। ऐसे में ई-केवाईसी नहीं कराने वाले किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की राशि नहीं आएगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में ई-केवाईसी कराने मे अधिक परेशानी नहीं है। किसान घर बैठे भी कर सकते हैं।

स्मार्टफोन से करें ई-केवाईसी

घर बैठे स्मार्टफोन से भी किसान पीएम किसान के लिए अनिवार्य ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है किसान का मोबाइल नंबर आधार कार्ड से लिक्ड हो। ऐसा होना इसलिए जरूरी है क्योंकि रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही ओटीपी आएगी, जिससे ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी होगी।

सीएससी पर जाकर भी करा सकते हैं ई-केवाईसी

कामन सर्विस सेंटर पर पीएम किसान के लाभार्थी किसान की बायोमेट्रिक तरीके से ई-केवाईसी की जा रही है। किसान के आधार कार्ड और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर की जरूरत भी कामन सर्विस सेंटर पर इस काम के लिए पड़ती है। इसके लिए कामन सर्विस सेंटर पर 17 रुपये फीस लगती है। इनके अलावा सीएससी संचालक भी 10 रुपये से लेकर 20 रुपये तक सर्विस चार्ज लेते हैं। इस तरह सीएससी से ई-केवाईसी कराने पर आपको 37 रुपये तक देने पड़ सकते हैं।

मालामाल कर देगी सागवान पेड़ की खेती, कुछ सालों में बन जाएंगे करोड़पति

करण वाणी, न्यूज

सागवान के पौधे को 8 से 10 फीट की दूरी पर लगाया जा सकता है. ऐसे में अगर किसी किसान के पास 1 एकड़ खेत है तो वो उसमें करीब 500 सागवान के पौधे लगा सकता है. 12 साल बाद इन पेड़ों की कटाई कर किसान करोड़पति बन सकते हैं।

कम लागत में ज्यादा मुनाफा मिलने की वजह से सरकार किसानों को सागवान के पेड़ों की खेती करने की सलाह देती है. इसकी लकड़ियों की गिनती सबसे मजबूत और महंगी लकड़ियों में होती है.इससे फर्नीचर, प्लाइवुड तैयार किया जाता है. इसके अलावा सागवान का इस्तेमाल दवा बनाने में भी किया जाता है।

सागवान के लिए खेत में कितनी हो दूरी

सागवान की लकड़ियां लंबे समय तक टिकती हैं. इसकी खेती के लिए न्यूनतम 15 डिग्री और अधिकतम 40 डिग्री सेल्सियस का तापमान अनुकूल माना जाता है. इसके अलावा जलोढ़ मिट्टी सागवान की खेती के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है. मिट्टी का पीएच 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए.

कौन सा मौसम सागवान की बुवाई के लिए ठीक?

सागवान की बुवाई के लिए मॉनसून से पहले का समय सबसे अनुकूल माना जाता है. इस मौसम में पौधा लगाने से वो तेजी से बढ़ता है. शुरूआती सालों में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है. पहले साल में तीन बार दूसरे साल में दो बार और तीसरे साल में एक बार अच्छे से खेत की सफाई जरूरी है, सफाई के दौरान खरपतवार को पूरी तरह खेत से बाहर करना होता है. सागवान के पौधे के विकास के लिए सूर्य की रौशनी अत्यंत आवश्यक होती है. ऐसे में पौधा लगाते वक्त इस बात का भी ध्यान रखें कि खेत में पर्याप्त रोशनी पहुंच सके. नियमित समय पर पेड़ के तने की कटाई-छटाई और सिंचाई करने से पेड़ की चौड़ाई तेजी से बढ़ती है।

सागवान के पेड़ को जानवरों से डर नहीं

सागवान के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं. यही वजह है कि जानवर खाना पसंद नहीं करते. साथ ही अगर पेड़ की देखभाल ठीक से की जाए तो इसमें कोई बीमारी भी नहीं लगती. इसके विकास में तकरीबन 10 से 12 लगते हैं. किसान एक ही पेड़ से कई सालों तक मुनाफा कमा सकते हैं. सागवान का पेड़ एक बार काटे जाने के बाद फिर से बड़ा होता है और दोबारा इसे काटा जा सकता है. ये पेड़ 100 से 150 फुट ऊंचे होते हैं।

सागवान से करोड़ों में कमाई

अगर कोई किसान 500 सागवान के पेड़ लगाता है तो 12 वर्ष के बाद इसे करीब एक करोड़ रुपये में बेच सकता है. बाजार में 12 साल के सागवान के पेड़ की कीमत 25 से 30 हजार रुपये तक है और समय के साथ इसकी कीमत में बढ़ोतरी होने की पूरी संभावना है. ऐसे में एक एकड़ की खेती से 1 करोड़ रुपये की कमाई आराम से की जा सकती है।

सरकारी स्कूलन म पढ़ाई छोड़ि सब होत हय!

नागेन्द्र बहादुर सिंह चौहान
स्वतंत्र पत्रकार

चतुरी चाचा के प्रपंच चबूतरे से..........

चतुरी चाचा ने प्रपंच का आगाज करते हुए कहा- देस का आजाद भये 75 साल होइगे। भारत अपनी आजादी क्यारु अमृत महोत्सव मनाय रहा। मुला, अबहिंयु आम बच्चन क नीकि शिक्षा नाय मिलि पाय रही। सरकारी प्राइमरी स्कूलन म पढ़ाई छोड़िक सब होत हय। मास्टर अउ मस्टराइन मोटी तनख्वाह लेत हयँ। बड़ी-बड़ी बिल्डिंगय खड़ी हयँ। स्कूल म कुर्सी-मेज, टाट-पट्टी अउ अलमारी सबुई कुछु हय। स्कूलन म गैस चूल्हा, बर्तन, रसोईघर, शौचालय, खेलकूद का सामान। अरे! हर याक चीज हय। कम्पूटर तलक लागि हयँ। लरिका-बिटियन का दोपहर क खाना, वजीफा, कॉपी-किताब अउ ड्रेसव मिलत हय। सरकार करोड़न रुपया इ पाठशालन पय हर महीना फूँकि रही। द्याखा जाय तौ सरकारी धन पानी म बहावा जाय रहा। प्राइमरी स्कूलन म पढ़तय को हय? कुछू गरीब-गुरबन क लरिका-बिटिया इनमा जात हयँ। तुम पंच बताव। सरकारी स्कूलन म बच्चन का कौनव भविष्य हय?

चतुरी चाचा अपने प्रपंच चबूतरे पर बड़ी गम्भीर मुद्रा में बैठे थे। कासिम चचा, ककुवा, मुंशीजी व बड़के दद्दा चबूतरे की फुलवारी का निरीक्षण कर रहे थे। वहीं, पुरई चबूतरे के पास अमरूद व अनार के पौधे लगा रहे थे। आज सुबह हल्की बूंदाबांदी हो जाने से मौसम बढ़िया था। आसमान में सूरज बादलों के साथ लुकाछिपी खेल रहा था। जमीन पर बच्चे आपस में कबड्डी खेल रहे थे। कुछ लड़कियां भादौं में भी झूला झूल रही थीं। मेरे चबूतरे पर पहुंचते ही ककुवा ने चतुरी चाचा के तार छेड़ दिए। ककुवा ने पूछा- का सोचत हौ चतुरी भाई? बड़ा गम्भीर बैठा हौ। तब चतुरी चाचा ने अपनी चिंता की गठरी खोल दी। वह बोले- हम काल्हि चकहार ते लौटि रहे रहन। रस्तम चमरहिया क चार-छह लरिका-बिटिया मिलिगे। हम उनते पढ़ाई-लिखाई क बारे म पूछतांछ कीन। सबके सब जीरो बटा सन्नाटा। कक्षा चारि म पढ़य वाली बिटिया छह का पहाड़ा नाय सुनाय पाइस। पँचयेम पढ़य वाला लौंडा सही ते इकाई-दहाई नाय बताय पाइस। तीसरे म पढ़य वाली बिटेवा छोटा अ ते ज्ञ तलक नाय सुनाय पाइस। प्राइमरी स्कूलन केरी पढ़ाई देखिक हमार तौ दिमाग भन्नाय गवा। आखिर इ लरिका-बिटिया आगे चलिके का करिहैं?

ककुवा बोले- चतुरी भाई, तुम सरकारी स्कूलन का हालु काल्हि जानेव। हम तौ यह दशा सालन ते देखि रहेन। प्राइमरी स्कूल जाय वाले तमाम लरिका-बिटिया हमरे दुआरे त निकरत हयँ। हम स्कूली बच्चन ते पढ़ाई-लिखाई क बारे म पूछा करित हय। इ लरिका-बिटियन क महतारी-बाप सब जानत हयँ। प्राइमरी स्कूलन म 25-30 साल पहिले पढ़ाई उच्छिन्न होइगै रहय। प्राइमरी स्कूलन क्यारु बजट अउ व्यवस्था बढ़त गय। पढ़ाई वही तिना घटत गय। अंगूरी गिनय भरिके लरिका-बिटिया सरकारी स्कूलन म जात हयँ। मास्टरवै अपन नौकरी बचाय रहे। स्कूल क रजिस्टर म मतलब भरिके बच्चन क नाम लिखे रहत हयँ। बिल्कुल आंगनबाड़ी क तर्ज पहिंया। शिक्षव विभाग म बड़े खेल हयँ भइय्या। सब तरह-तरह ते सरकारी धन लुटि रहे। सरकारी स्कूलन क दशा खराब होय ते प्राइवेट स्कूलन केरी चांदी हय। जहां द्याखव हुवां ककुरमुत्ता तिना प्राइवेट स्कूल खुले हयँ। इनका स्कूल काहे, कोल्हू समझव। इ स्कूल रूपी कोल्हू म अभिभावक बिचारे गन्ना जइस पेरे जात हयँ। प्राइवेट स्कूल म मोटी फीस तौ लिनै जात हय। प्राइवेट स्कूलन म कॉपी, किताब, कलम, कवर, ड्रेस, टाई, बेल्ट, जूता, मोजा सगरा सामान बिकात हय। हर चीज बाजार ते दुगुने-डेढ़ गुने दाम प खरीदय क परत हय। प्राइवेट स्कूल वाले तरह-तरह ते पईसा चूसत हयँ। इन पय सरकार का कौनव कंट्रोल नाय हय। नर्सरी ते इंटर तलक बड़ी आफत हय।

इसी दौरान चंदू बिटिया परपंचियों के लिए जलपान लेकर हाजिर हो गई। आज जलपान में स्वादिष्ट सेंवई और कुल्हड़ वाली स्पेशल चाय थी। सबने एक-एक कटोरा सेंवई पी। फिर इंडिया मार्क टू से पानी पीकर चाय के कुल्हड़ थाम लिये। चाय के साथ चर्चा आगे बढ़ गई।

कासिम चचा ने कहा- यहां सभी सरकारी प्राइमरी स्कूलों को एक तराजू में तौल दिया गया। यह गलत है। आज भी न जाने कितने सरकारी स्कूलों में टीचर बड़ी मेहनत से पढ़ाते हैं। वहां के बच्चे प्राइवेट स्कूलों के बच्चों से कहीं ज्यादा ज्ञानी हैं। हालांकि, ऐसे सरकारी स्कूलों की संख्या बहुत कम है। सरकारी स्कूलों की स्थिति सिर्फ सरकार ठीक नहीं कर पायेगी। इसके लिए उस गांव के लोगों को लगना पड़ेगा है। गांव हो या फिर शहर हो।प्राइमरी, अपर प्राइमरी व मिडिल स्कूलों के आसपास के नागरिकों को इन स्कूलों की निगरानी करनी चाहिए। सक्षम लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाए। नेताओं और अधिकारियों के बच्चे भी सरकारी स्कूल में पढ़ना शुरू करें। यदि ऐसा हो जाये तो सरकारी स्कूलों की स्थिति स्वतः ही शानदार हो जाएगी। पहले की तरह सरकारी स्कूलों के बच्चे आईएएस, आईपीएस, पीसीएस, डॉक्टर, टीचर, लॉयर, इंजीनियर व वैज्ञानिक बनेंगे।

मुंशीजी ने विषय परिवर्तन करते हुए कहा- हम सबके जीवन में 15 अगस्त, 2022 की तारीख बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है। इस पंद्रह अगस्त को देश की स्वतंत्रता हुए 75 वर्ष पूरे हुए हैं। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। हम सब इसके साक्षी बन गए हैं। बाकी जब तक धरती है। जब तक भारत है। तब तक 15 अगस्त का राष्ट्रीय पर्व मनता रहेगा। परन्तु, हम लोगों के जीवन में जो कुछ हो रहा है, वो सबकुछ ऐतिहासिक है। चाहे जम्मू-कश्मीर से धारा-370 का हटना हो। चाहे अयोध्या में राम मंदिर का बनना हो। चाहे दिल्ली में नया लोक भवन (सेन्ट्रल विस्टा) का बनना हो। चाहे पहली बार एक आदिवासी महिला का राष्ट्रपति बनना हो। इसी तरह अन्य बहुत सारी चीजें पहली बार हुई हैं। नोटबन्दी और कोरोना लॉकडाउन की भी अपनी अभूतपूर्व स्मृतियां हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी जी हम सबको कोई न कोई सरप्राइज देते ही रहते हैं। बहरहाल, भारत बड़े परिवर्तन से गुजर रहा है। देश आत्मनिर्भर बन रहा है।

बड़के दद्दा ने मुंशीजी की बात को आगे बढ़ाते हुए कहा- भारत अब विकास की सरपट दौड़ में भागीदारी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत विश्व के शक्तिशाली देशों के पंक्ति में खड़ा होने को बेताब है। इसके लिए भारत का युवा वर्ग रातदिन परिश्रम कर रहा है। महिलाओं ने भी कमर कस ली है। परन्तु, सत्ता लोलुप कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल भाजपा का विरोध करते-करते भारत का विरोध करने लगते हैं। विपक्षी नेता मोदी का अनर्गल विरोध करने के चक्कर में देश वासियों को अपमानित करने लगते हैं। विरोधियों की यही चूक उन्हें सत्ता से बेदखल किये है। कांग्रेस, सपा, बसपा, शिवसेना, टीएमसी सहित अन्य विपक्षी दल जनता की नब्ज ही नहीं टटोल पा रहे हैं। विपक्ष के नेता जाति/धर्म/क्षेत्र/भाषा के आधार पर सत्ता हासिल करना चाहते हैं। लेकिन, जनता उनकी चाल समझ चुकी है। इसलिए आज पूरा देश मोदी को राजनेता मानकर उनके पीछे चल रहा है।

मैंने हमेशा की तरह कोरोना अपडेट देते हुए प्रपंचियों को बताया कि विश्व में अब तक करीब 60 करोड़ लोग कोरोना से पीड़ित हो चुके हैं। इनमें करीब 64 लाख 70 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इसी तरह भारत में अब तक चार करोड़ 43 लाख से ज्यादा लोग कोरोना की जद में आ चुके हैं। इनमें पांच लाख 27 हजार से अधिक लोगों को बचाया नहीं जा सका। भारत में टीकाकरण अभियान अब अंतिम चरण में है। देश में बूस्टर डोज भी जगह-जगह लगाई जा रही है। भारत ने टीकाकरण के दम पर कोरोना महामारी को नियंत्रित कर रखा है।

अंत में चतुरी चाचा ने कहा- सब जने समाज का नशामुक्त करय म अपन योगदान देव। सब ते पहिले अपन घर-परिवार अउ दुकान-प्रतिष्ठान का नशामुक्त बनावत जाव। यहिके बादि अपन गांव-जवार नशामुक्त करत जाव। इसी के साथ आज का प्रपंच समाप्त हो गया। मैं अगले रविवार को चतुरी चाचा के प्रपंच चबूतरे पर होने वाली बेबाक बतकही के साथ फिर हाजिर रहूँगा। तब तक के लिए पँचव राम-राम!

भारत माता की जय, वंदे मातरम

भारत माता के जयकारों से गूंज उठा सरोजनी नगर

विधायक राजेश्वर सिंह द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पंकज सिंह चौहान

लखनऊ (करण, वाणी न्यूज)। चारों ओर तिरंगा झंडा। भारत माता की जय। अमर शहीद अमर रहें। देश के अमर सपूतों की जय जैसे गगनभेदी जयकारों से आसमान गूंज उठा। कुछ ऐसा ही नजारा था कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरोजिनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा के दौरान।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर मनाए जा रहे अमृत महोत्सव में सरोजिनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में सरोजनी नगर विधानसभा में भव्य तिरंगा यात्रा निकली। इसमें लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भारत माता के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। कानपुर रोड बनी से पीजीआई तक यह भव्य तिरंगा यात्रा निकली। यात्रा की शुरूआत विधायक राजेश्वर सिंह, एमएलसी रामचंद्र प्रधान व भाजपा नेता शंकरी सिंह ने सैकड़ों तिरंगे गुब्बारे हवा में उड़ाकर किया। इस यात्रा का बाजार के दुकानदारों ने जगह-जगह स्वागत किया। यात्रा का विशेष आकर्षण ढोल नगाड़ों के साथ जयपुरिया कॉलेज से आए एनसीसी के छात्र थे। इस दौरान जहां से भी यात्रा निकल रही थीं वहां लोगों का जनसैलाब देखने लायक था। लोग भारत माता की जयकारें लगा रहे थे। जहां-जहां से यह यात्रा निकल रही थी वह क्षेत्र पूरी तरह से देशभक्ति में रंगा नजर आ रहा था। युवाओं का देशभक्ति उत्साह हिलोरे मार रहा था। यात्रा में

महिलाओं, बुजुर्गों के साथ-साथ युवाओं की भारी भीड़ थी। यात्रा के दौरान बरसात होने लगी, लेकिन लोगों में देशभक्ति का ऐसा जज्बा था कि बरसात उनके देशप्रेम के जज्बे को कम नहीं कर सकी। इस दौरान विधायक राजेश्वर सिंह ने कहा कि तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर लोगों ने हिस्सा लिया। यह उनके देशप्रेम को दशार्ता है। लोगों का जोश देखने लायक है।

विधायक राजेश्वर सिंह ने तिरंगा यात्रा के सीएमएस ऑडिटोरियम पहुंचने पर लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके एक आह्वन पर तिरंगा यात्रा में उमड़ी भीड़ का वे आभार जताते हैं। उन्होंने कहा वे लोगों के इस प्यार का कर्ज जीवनभर सेवा करके भी नहीं उतार सकते, जब तक हम हैं जनता की सेवा करते रहेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ विधायक राजेश्वर सिंह ने यात्रा का समापन किया।

इस मौके पर पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, एमएलसी रामचंद्र सिंह प्रधान, भाजपा नेता शिवशंकर सिंह (संकरी), भाजपा नेता राजेश सिंह चौहान, भाजपा नेता राजकुमार सिंह चौहान, विनय दीक्षित, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अमन सिंह चौहान, नेहा सिंह, सुनील शुक्ला (टुन्नू), लवी सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रमोद गौतम आदि लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाई।

हिन्दी साप्ताहिक
करण वाणी

केशव प्रसाद मौर्य होंगे यूपी बीजेपी के नये प्रदेश अध्यक्ष!

उपमुख्यमंत्री के ट्वीट से निकाले जा रहे सियासी मायने

करण, वाणी न्यूज

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई को नया अध्यक्ष मिलने वाला है। जल्द ही इसका ऐलान हो सकता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के इस्तीफे के बाद जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए नया चेहरा तलाश किया जा रहा है। ऐसे में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का नाम सबसे आगे चल रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि केशव प्रसाद मौर्य प्रदेशाध्यक्ष बन सकते हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के नाम की अटकलों के बीच केशव प्रसाद मौर्य का एक ट्वीट सामने आया है। जिसके राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि संगठन सरकार से बड़ा है ! पिछले 5 महीने से पार्टी नए अध्यक्ष को लेकर मंथन कर रही है। भाजपा चाहती है कि किसी ऐसे व्यक्ति को प्रदेशाध्यक्ष बनाया जाए, जो 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर संगठन को मजबूत कर सके।

नंबर-2 नेता हैं केशव प्रसाद मौर्य

भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी किसी ऐसे चेहरे की तलाश कर रही है जो लोकप्रिय हो। इसके साथ ही जातीय समीकरणों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाद केशव प्रसाद मौर्य नंबर-2 पर हैं। भले ही केशव प्रसाद मौर्य को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन उनकी लोकप्रियता और पार्टी में पकड़ के चलते उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया और फिर विधान परिषद में नेता सदन का पद दिया गया।

स्वाधीनता की जंग में हमारे साहित्यकारों, कवियों और पत्रकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही: राज्यपाल

युवाओं में भारतीय संस्कृति और कला के प्रति प्रेम उपजाना हमारी प्राथमिकता हो: जयवीर सिंह

करण, वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल आज यहां राजभवन से संस्कार भारती, आगरा द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के समापन अवसर पर सूर सदन प्रेक्षागृह, आगरा में आयोजित कला-साधक सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि वर्चुअली शामिल रहीं। समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि कला की साधना हर कोई नहीं कर सकता, लेकिन जो इस साधना को कर लेता है उसका जीवन सफल हो जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, कला और शिल्प विश्व भर में अनूठी और विशिष्ट है। यह हमारी विरासत है, धरोहर है और जीवन शैली है। सामाजिक समरसता, देश की एकता, अखंडता और विविधता में एकता की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण सूत्र है जो हमारी संस्कृतियों, ललित एवं प्रदर्शनकारी कलाओं और शिल्प कलाओं से होकर गुजरता है।

राज्यपाल जी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि देश भर में आजादी के अमृत महोत्सव की 75वीं वर्षगांठ का जश्न पूरे उत्साह के साथ मनाया गया है। अमृत महोत्सव के इस वर्ष ने जन-जन की चेतना को स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष की महान गाथाओं, महापुरूषों की स्मृतियों एवं उनकी मूल प्रेरणाओं से जोड़ा है। राज्यपाल जी ने अपने उद्बोधन में हाल ही में ह्यहर घर तिरंगाह्न मुहिम में देश-व्यापी जोश, स्वतंत्रता दिवस के अवसर सोशल मीडिया पर देशवासियों का राष्ट्र के प्रति अपार उत्साह का प्रदर्शन, देश के बहादुर जवानों के स्मरण का उल्लेख विशेष रूप से किया। इसी क्रम में राज्यपाल जी ने स्वाधीनता की जंग में साहित्यकारों, कवियों और पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी दमदार अभिव्यक्ति के माध्यम से जन-जन में देशप्रेम की भावना को जागृत करने का कार्य किया और कलाकारों ने अपने संगीत, नाट्य और नृत्य के माध्यम से देशवासियों को संघर्ष करने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल जी ने हाल ही में 10 जून, 2022 को गोलोक वासी हुए कला ऋषि पद्मश्री बाबा योगेन्द्र जी को श्रद्धांजलि भी दी।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ठाकुर श्री जयवीर सिंह ने कहा कि देश के युवाओं में भारतीय संस्कृति और कला के प्रति प्रेम उपजाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

समारोह में माननीय राज्यपाल जी को प्रतीकात्मक रूप से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राज्यपाल जी की गरिमामयी उपस्थिति में वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित किया गया, जिनमें कला सम्वर्द्धन के लिए समर्पित होकर कार्य करने वाले कई वयोवृद्ध कलाकार भी शामिल थे।

इस अवसर पर विद्वान वक्ता एवं संस्कार भारती से जुड़े श्री हरीश रौतेला, सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री जी0डी0 बक्शी, बांसुरी वादक पंडित चेतन जोशी, सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर श्री ए0के0 सिंह, समाजसेवी श्री जयराम दास, संस्कार भारती आगरा के संयोजक श्री राजबहादुर सिंह सहित कई कलाकार एवं महानुभाव उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800